TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

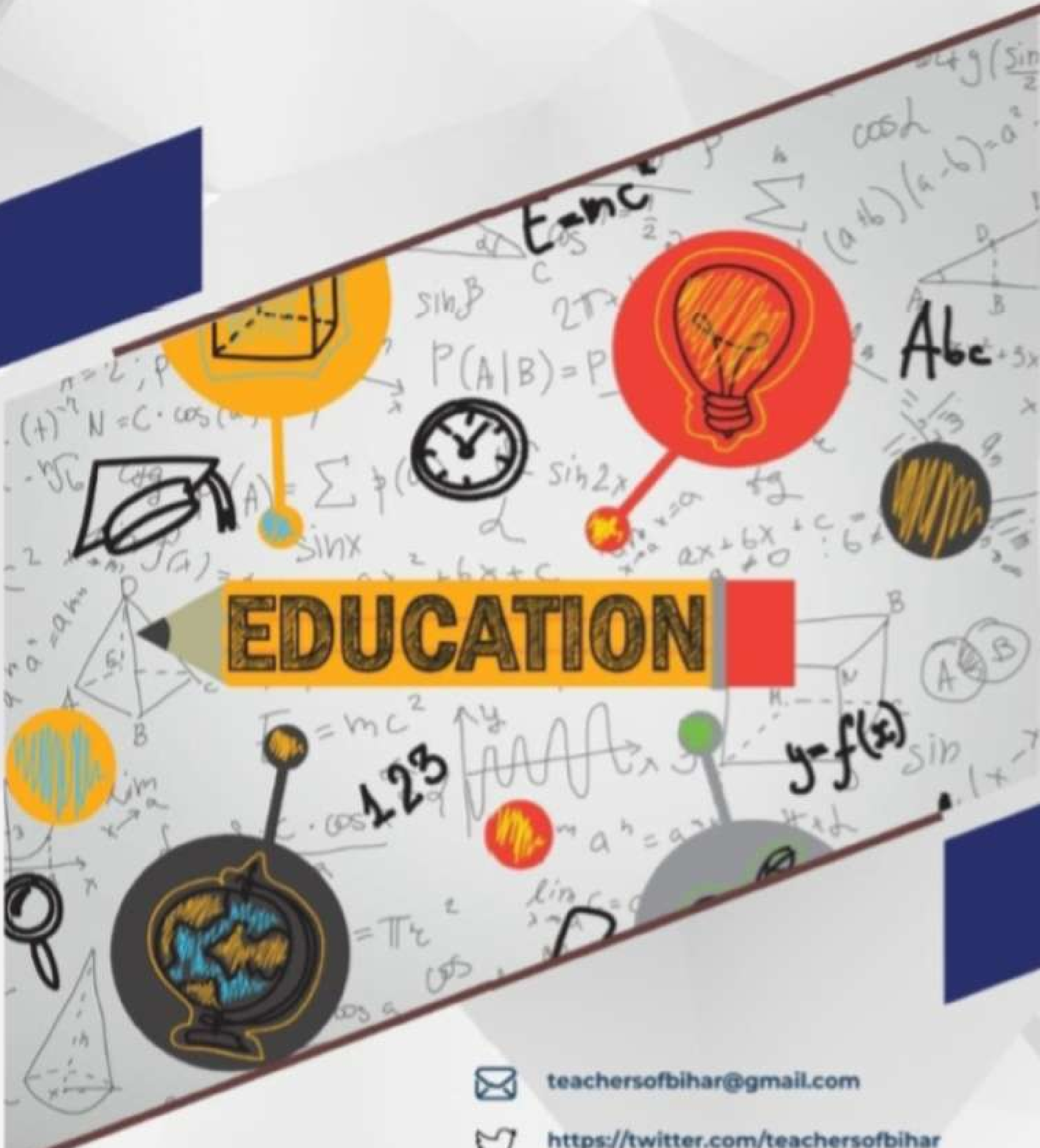

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जयंती विशेष

23 जनवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

संघर्ष ने मुझे मनुष्य बनाया, मुझमें

आत्मविश्वास जगाया जो पहले नहीं था ।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस

(स्वतंत्रता सेनानी)

जन्म : 23 जनवरी 1897 मृत्यु : 18 अगस्त 1945

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस विशेष

23 जनवरी

मधु प्रिया

पराक्रम दिवस /सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी

23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक में एक संपन्न बांग्ला परिवार में जन्मे सुभाष अपने देश के लिए हर हाल में आजादी चाहते थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन देश के नाम कर दिया और अंतिम सांस तक देश की आजादी के लिए संघर्ष करते रहे। 'नेताजी' हर कीमत पर मां भारती को आजादी की बेड़ियों से मुक्त कराने को आतुर देश के उग्र विचारधारा वाले युवा वर्ग का चेहरा माने जाते थे। वह कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। देश की स्वतंत्रता के इतिहास के महानायक बोस का जीवन और उनकी मृत्यु भले ही रहस्यमय मानी जाती रही हो, लेकिन उनकी देशभक्ति सदा सर्वदा असंदिग्ध और अनुकरणीय रही। 23 जनवरी को पराक्रम दिवस मनाने की वजह बेहद खास है। दरअसल यह दिन सुभाष चंद्र बोस की याद में मनाया जाता है। सुभाष चंद्र बोस का 23 जनवरी को जन्म हुआ था। इस दिन नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई जाती है, जिसे पराक्रम दिवस का नाम दिया गया। वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पराक्रम दिवस को मनाने की घोषणा की थी। पराक्रम दिवस के मौके पर कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता है। स्कूल कॉलेज में बच्चों को इस दिन का महत्व बताया जाता है और इसी दिन के जरिए स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन को याद किया जाता है। पराक्रम दिवस को मनाने के पीछे खास वजह है। इस दिन का नाता महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस से है। उनकी ही याद में पराक्रम दिवस को देश के एक खास दिन के रूप में मनाते हैं। नेताजी को इस दिन नमन किया जाता है और उनके योगदान को याद करते हैं। नेता जी सुभाष चंद्र बोस ने आजादी की लड़ाई में ओजस्वी नारा दिया था। 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।' इन नारे ने हर भारतीय के खून में उबाल ला दिया था और आजादी की जंग को तेज कर दिया था।आज से ठीक 78 साल पहले 18 अगस्त 1945 को जापान दूसरा विश्व युद्ध हार चुका था। अंग्रेज नेताजी के पीछे पड़े हुए थे। इसे देखते हुए उन्होंने रूस से मदद मांगने का मन बनाया। 18 अगस्त 1945 को उन्होंने मंचूरिया की तरफ उड़ान भरी। इसके बाद किसी को फिर वो दिखाई नहीं दिए।

/teachersofbihar

जयंती विशेष 23 जनवरी

सुभाष चन्द्र बोस (**23** जनवरी **1897 —18** अगस्त **1945**) भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के अग्रणी तथा सबसे बड़े नेता थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिए, उन्होंने जापान के सहयोग से आज़ाद हिन्द फ़ौज का गठन किया था। उनके द्वारा दिया गया "जय हिन्द" का नारा। "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा" का नारा भी उनका था जो उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। भारतवासी उन्हें नेता जी के नाम से सम्बोधित करते हैं।

राकेश कुमार

बसंत पंचमी विशेष

बसंत पंचमी *Basant Panchami*) भारत में हिन्दुओं का प्रसिद्ध त्योहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती की पूजा की जाती है। यह पूजा सम्पूर्ण भारत में बड़े उल्लास के साथ की जाती है। इस दिन स्त्रियाँ पीले वस्त्र धारण करती हैं। बसंत पंचमी के पर्व से ही 'बसंत ऋतु' का आगमन होता है।

 राकेश कुमार

TOB खेल कॉर्नर

वनडे क्रिकेट में नंबर-3 पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

बल्लेबाज	मैच	रन
विराट कोहली	247	12,676
रिकी पोंटिंग	335	12,662
कुमार संगकारा	243	9,747
जैक कैलिस	204	7,774
केन विलियम्सन	143	6,504

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **23.01.2026**

पराक्रम दिवस
23 जनवरी

पराक्रम दिवस हर वर्ष **23** जनवरी को मनाया जाता है। यह दिन नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य देशवासियों में साहस, राष्ट्रभक्ति, आत्मबल और कर्तव्यनिष्ठा की भावना को जागृत करना है। नेताजी का जीवन हमें सिखाता है कि साहस और संकल्प से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

608 दिन अंतरिक्ष में और 27 साल का बेमिसाल सफर! भारत का गौरव **सुनीता विलियम्स** ने अपने **ऐतिहासिक स्पेस करियर** को कहा अलविदा।

www.teachersofbihar.org

राकेश कुमार

पद्य पंकज

"

भर गया है जहर से
संसार जैसे हार खाकर,
देखते है लोग लोगों को
सही परिचय न पाकर,
बुझ गयी है लौ पृथा की
जल उठो फिर सींचने को।

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Teachers
Of
Bihar

मैं अगर ज़िंदा हुँ तो मुझे ज़िंदा रखा गया हैं। अपने सपनों को पूरा करने के लिए, पहचान बनाने का जुनून, आगे बढ़ने का हौसला और दुनिया का सामना करने की ताक़त ये मेरे वजूद का हिस्सा हैं। और जब तक हौसला कायम हैं। मेरा सफ़र यू ही चलता रहेगा।

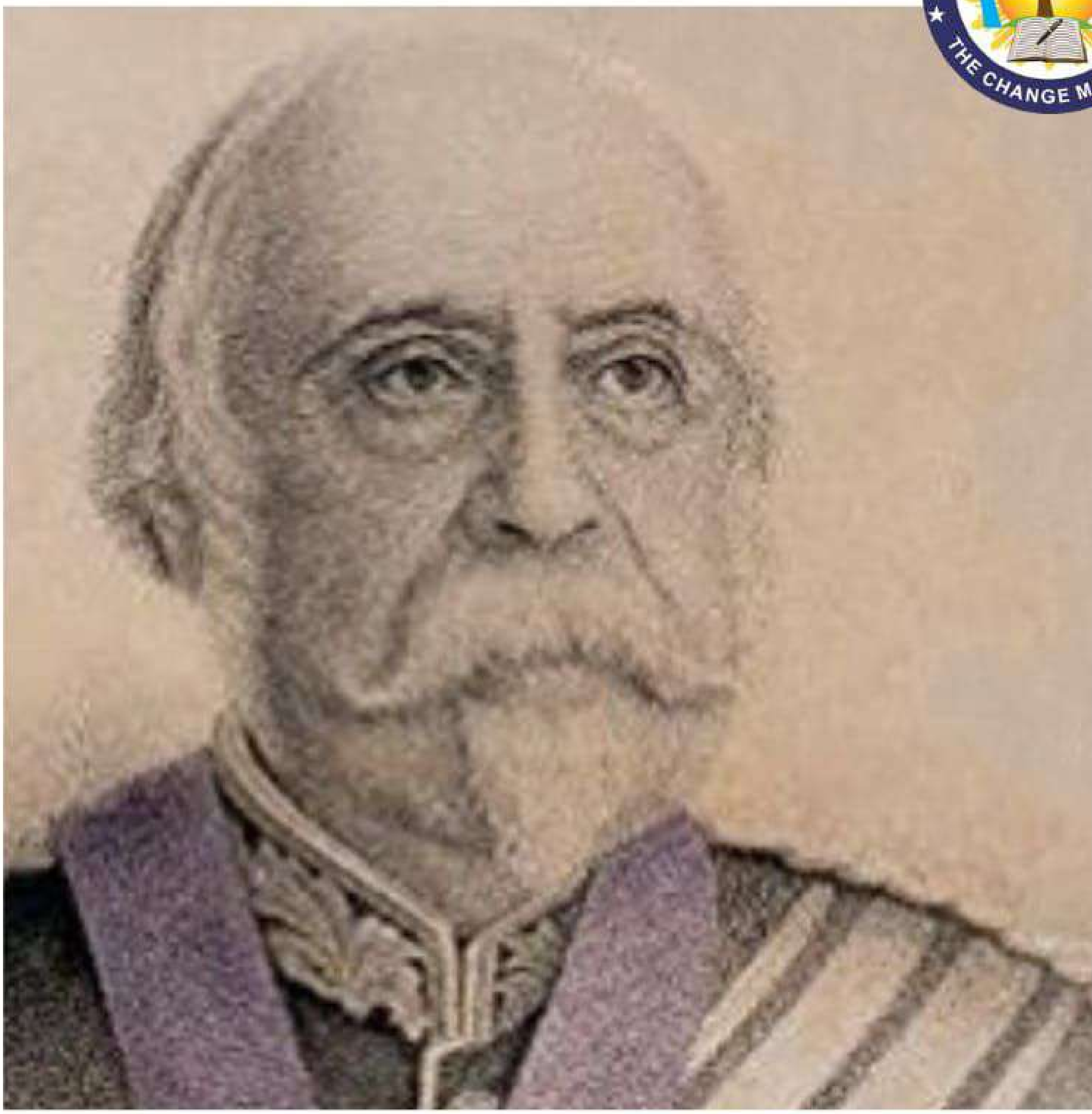

सर अलेक्ज़ैंडर कनिंघम

जन्म-23 जनवरी 1814 - मृत्यु-28 नवम्बर 1893

Madhu priya

जय मां शारदे

विद्यादायिनी मां सरस्वती का आशीर्वाद सदैव हम सभी पर बना रहे। बसंत ऋतु आप सभी के जीवन में अपार सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उन्नति लेकर आए।

Madhu priya

जयंती विशेष

23 जनवरी 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

यदि कभी झुकने की नौबत आ जाए

तो वीरों की तरह झुकें ।

- नेताजी सुभाषचंद्र बोस

(स्वतंत्रता सेनानी)

(23 जनवरी 1897 - 18 अगस्त 1945)

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org